

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4 PART III—Section 4

प्राधिकरण से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 26]

नई बिल्ली, शक्रवार, अगस्त 14, 1987/श्रावण 23, 1909

No. 26]

NEW DELHI, IGRIDAY, MUGUST 14, 1987/SRAVANA 23, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में एका जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भारतीय नावहन ऋण तथा निवेश कंपनी लि.

बम्बई, 11 अगस्त, 1987

श्चादेश

मं, एम. सी. श्राई. मी. श्राई./मेक 10/1 — यद्यपि, भारतीय नौवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी लिमिटेड ने, नौवहन विकास निधि समिति (उत्पादन) श्रिधिनियम, 1986 को, (जिसे इसके बाद "उक्त अधिनियम" कहा गया है) धारा 16 के श्रव्यों के श्रन्तगंत पदाभिहित व्यक्ति के रूप में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 8 के श्रवीन दिनांक 17 जुलाई, 1987 के श्रपने नोटिस द्वारा सिधिया स्टीम नेवीगेशन कम्पनी लिमिटेड को (जिसे इसके बाद "शिप ओनर" कहा गया है) उसमें उल्लिखित केन्द्रीय सरकार के श्रित समें देनदारियों को पूरी तरह से चकाने के लिए कहा गया था।

और यद्यपि णिपओनर ने निर्धारित श्रवधि के श्रन्दर-श्रन्दर उक्त नोटिस का श्रनुपालन महीं किया है।

और यद्यपि भारतीय नौवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी लिमिटेड को पदाभिहित व्यक्ति के रूप में हक प्राप्त हो गया है और उसने उक्त अधिनियम के अध्याय-III के उपवंधों के अधीन विभिन्न विशेष णक्तियों का प्रयोग करने का निर्णय लिया है।

अब उक्त अधिनियम की धारा 10 के उपबंधों के अनुसरण में तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत रिसीवर की नियुक्ति पर प्रतिकृत प्रभाव डाले बिना, एतद्दारा यह आदेण दिया जाता है और घोणणा की जाती है कि—

- 1. श्रीमती सुमती शेरारजी
- 2. थी ए. सी. मुखर्जी
- 3. श्री एस. रामनाथन
- 4. श्री एस, वी. शाह
- 5. श्रीपी. बी. राव
- स. श्री एन , एम , कुलकणी
- 7. श्री एस. के. भट्टाचार्य
- वाइस एडिमरल एस. मुकर्जी (सेवानिवृत्त)
- 9. वाइस एडमिरल के. के. नथ्यर (सेवानिवृत्त)
- 10. श्री श्रमिताभ चन्द्र
- 11. श्री एन, एम, पारूलेकर
- 12. श्री एच. एम. पटेल

शिपओनर के निदेशक के रूप में निय्क्त किए जाते हैं।

यह आदेश राजपन्न में अधिसूचित होते ही तत्काल प्रभावी हो जाएगा।

आदेश से,

एम. आर. हेगड़े, कम्पनी मिचव भारतीय नीवहन ऋण तथा निवेश कम्पनी लिमिटेड

THE SHIPPING CREDIT & INVESTMENT COMPANY OF INDIA LIMITED

ORDER

Bombay, the 11th August, 1987

SCICI|Sec. 10|1.—Whereas The Shipping Credit and Investment Company of India Limited (hereinafter "the SCICI") as designated person within the meaning of Section 16 of the Shipping Development Fund Committee (Abolition) Act, 1986 (hereinafter "the said Act") had by its notice under Section 8 of the said Act, dated July 17, 1987, called upon the Scindia Steam Navigation Company Limited (hereinafter "the Shipowner") to discharge in full the dues of the Central Government as stated therein.

And whereas the Shipowner has failed to comply with the said notice within the stipulated period.

And whereas the SCICI, as the designated person has become entitled and has decided to exercise various special powers under the provisions of Chapter III of the said Act.

Now in pursuance of the provisions of Section 10 of the said Act and without prejudice to the appointment of a receiver under Section 9 of the said Act, it is hereby ordered and declared that

- 1. Smt. Sumati Morarjec
- 2. Shri A. C. Mukherji
- 3. Shri S. Ramanathan
- 4. Shri S. V. Shah
- 5. Shri P. V. Rao
- 6. Shri N. S. Kulkarni
- 7. Shri S. K. Bhattacharya
- 8. Vice Admiral S. Mookerjee (Retd.)
- 9. Vice Admiral K. K. Nayyar (Retd.)
- 10. Shri Amitabh Chandra
- 11. Shri N. S. Parulekar
- 12. Shri H. M. Patel

be and they are hereby appointed as directors of the Shipowner.

This order shall come into force immediately upon its being notified in the Official Gazette.

M. R. HEGDE, Company Secy. The Shipping Credit and Investment Company of India Limited.